एम.ए. पाठ्यक्रम

(वर्ष 2021–22)

हिन्दी विभाग

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म0प्र0)

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम वर्ष 2020–21

प्रथम सेमेस्टर–

कोर्स विवरण	कोड	प्रश्नप्रत्र	प्रश्नप्रत्र शीर्षक	क्रेडिट			
				L	**T**	**P**	**C**
कोर कोर्स	HIN-CC-121	▪ प्रथम प्रश्नपत्र	उपन्यास	5	0	0	5
	HIN-CC-122	▪ द्वितीय प्रश्नपत्र	हिन्दी कहानी	5	0	0	5
	HIN-CC-123	▪ तृतीय प्रश्नपत्र	अन्य गद्य रूप	5	0	0	5
इलेक्टिव कोर्स (ऐच्छिक)	**इनमें से कोई एक**			4	0	0	4
	HIN-EC-121	▪ चतुर्थ प्रश्नपत्र	भारतीय गद्य साहित्य				
	HIN-EC-122		लोक साहित्य और संस्कृति				
	HIN-EC-123		प्रेमचन्द				

द्वितीय सेमेस्टर–

कोर कोर्स	HIN-CC-221	▪ प्रथम प्रश्नपत्र	आलोचना सिद्धान्त और शास्त्र	5	0	0	5
	HIN-CC-222	▪ द्वितीय प्रश्नपत्र	हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास	5	0	0	5
	HIN-CC-223	▪ तृतीय प्रश्नपत्र	हिन्दी की आलोचना दृष्टियाँ	5	0	0	5
इलेक्टिव कोर्स (ऐच्छिक)	**इनमें से कोई एक**			4	0	0	4
	HIN-CE-221	▪ चतुर्थ प्रश्नपत्र	नंददुलारे वाजपेयी				
	HIN-CE-222		रामचंद्र शुक्ल				
	HIN-CE-223		हजारी प्रसाद द्विवेदी				
(ओपेन इलेक्टिव) **बाहरी छात्रों के लिए**	HIN-OE-221	▪ द्वितीय सेमेस्टर	भाषा परिचय	2	0	0	2
	HIN-OE-222	▪ द्वितीय सेमेस्टर	भाषा संरचना	2	0	0	2

तृतीय सेमेस्टर–

कोर्स विवरण	कोड	प्रश्नप्रत्र	प्रश्नप्रत्र शीर्षक	क्रेडिट			
				L	**T**	**P**	**C**
कोर कोर्स	HIN-CC-321	▪ प्रथम प्रश्नपत्र	पूर्वआधुनिक आख्यानमूलक काव्य	5	0	0	5
	HIN-CC-322	▪ द्वितीय प्रश्नपत्र	आधुनिक आख्यानमूलक काव्य	5	0	0	5
	HIN-CC-323	▪ तृतीय प्रश्नपत्र	प्रगीत और मुक्तक काव्य	5	0	0	5
इलेक्टिव कोर्स (ऐच्छिक)	**इनमें से कोई एक**			4	0	0	4
	HIN-EC-321	▪ चतुर्थ प्रश्नपत्र	अज्ञेय				
	HIN-EC-322		मुक्तिबोध				
	HIN-EC-323		निराला				
(ओपेन इलेक्टिव) **बाहरी छात्रों के लिए**	HIN-OE-321		हिन्दी साहित्य के विविध विमर्श	2	0	0	2
	HIN-OE-322		हिन्दी विमर्शवादी लेखन	2	0	0	2
चतुर्थ सेमेस्टर–							
कोर कोर्स	HIN-CC421	▪ प्रथम प्रश्नपत्र	हिन्दी नाटक	5	0	0	5
	HIN-CC-422	▪ द्वितीय प्रश्नपत्र	भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा	5	0	0	5
	HIN-CC-423	▪ तृतीय प्रश्नपत्र	मध्यकालीन हिन्दी साहित्य की अवधारणा	5	0	0	5
इलेक्टिव कोर्स (ऐच्छिक)	**इनमें से कोई एक**			4	0	0	4
	HIN-EC-421	▪ चतुर्थ प्रश्नपत्र	भारतीय भाषाओं का रंगमंच				
	HIN-EC-422		अस्मितावादी विमर्ष				
	HIN-EC-423		कबीर				
							76+(4)=80

नोटः– ओपन इलेक्टिव (बाहरी छात्रों के लिए) दूसरे सेमेस्टर में अथवा तीसरे सेमेस्टर में पढ़ सकते हैं।

क्रेडिट विवरण

क्रम	पाठ्यक्रम विवरण	अभ्युक्ति	कुल क्रेडिट
1	मूल पाठ्यक्रम **Core Course (CC)** **(05 Credits X 03 Papers in each Semester)**	**15 X 4 सेमेस्टर**	**60**
2	ऐच्छिक पाठ्यक्रम **Elective Course (EC)** **(04 Credits X 01 Papers in each Semester)**	**4 X 4 सेमेस्टर**	**16**
3	ओपन ऐच्छिक पाठ्यक्रम **Open Elective Course (CC)** **(02 Credits X 02 Papers in any Two Semester)**	**2 X 2 सेमेस्टर** (द्वितीय या तृतीय सेमेस्टर)	**04**
कुल योग			**80**

एम.ए. हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम

इस सेमेस्टर में चार प्रश्नपत्र होंगे। इन पर्चा में हिन्दी गद्य के अलग-अलग रूपों का विस्तृत और गहन अध्ययन अपेक्षित है। इस बात का खयाल रखा गया है कि शिक्षक और छात्रों की सहभागिता की गुंजाइश कक्षा में बनी रहे और प्रत्येक शिक्षक को इसका अवसर हो कि प्रस्तावित ढांचे में वह प्रयोग कर सके। इस बात की अपेक्षा भी है कि चारो पर्चों में अन्तर संबन्ध को लेकर शिक्षक सचेत रहें और शिक्षण-पद्धाति में सहकारी रवैये को अपनाने की कोशिश करें। इस पर जोर है कि छात्र रचना और पाठ को केन्द्र में रखें, न कि मात्र सैद्धान्तिक चर्चा में उलझे रहें।

नोटः-

1. इस सेमेस्टर के सभी प्रश्नपत्रों में 20-20 अंक के दो मिड होंगे। प्रथम मिड 20 अंक का लिखित होगा एवं दूसरा मिड 20 अंक लिखित/असाइमेन्ट/प्रस्तुतीकरण हो सकता है।
2. सत्रांत परीक्षा 60 अंको की होगी। प्रश्नों एवं अंको का वर्गीकरण निम्नलिखित प्रकार से होगा-

(1) व्याख्या/आलोचनात्मक प्रश्न	=3X7=21
(2) समीक्षात्मक एवं विचारपरक प्रश्न	=3X7=21
(3) लघु उत्तरीय प्रश्न	=3X4=12
(4) अति लघु उत्तरीय	=6X1=06
	60

प्रथम
सेमेस्टर

CBCS
एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
प्रश्नपत्र : प्रथम : हिन्दी उपन्यास
मूल पाठ्यक्रम
Core Course (CC)
अनिवार्य प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 75 घंटे	क्रेडिट			
HIN-CC-121	(5×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		5	0	0	5

हिन्दी उपन्यास

उद्देश्य : उपन्यास, हिन्दी गद्य साहित्य की प्रमुख विधा है। इसके माध्यम से समाज की वास्तवीक समस्याओं से परिचित हो जाता है, क्योंकि वह समाज में रहता है। कहा भी गया है कि साहित्य समाज का दर्पण है और साहित्य मनुष्य जीवन की यथार्थ हकीकत है। उपन्यासों के माध्यम से विद्यार्थी के अंदर संवेदना, सहानुभूति का समुचित विकास होता है।

इकाई–1 प्रेमचंद पूर्व हिन्दी उपन्यास, प्रेमचन्दोत्तर हिन्दी उपन्यास, स्वातंत्रयोत्तर हिन्दी उपन्यास (परिचयात्मक मूल्यांकन) **(15 व्याख्यान)**

इकाई–2 गोदान – प्रेमचंद **(15 व्याख्यान)**

इकाई–3 शेखर एक जीवनी, भाग–1 – अज्ञेय **(15 व्याख्यान)**

इकाई–4 मैला आँचल – फणीश्वरनाथ रेणु **(15 व्याख्यान)**

इकाई–5 कलिकथा वाया बाईपास – अलका सरावगी **(15 व्याख्यान)**

आधार ग्रंथ-

- गोदान-प्रेमचद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- शेखर एक जीवन-अज्ञेय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- मैला आंचल-फणीश्वरनाथ रेणु, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- कलिकथा वाया बाइपास - अलका सरावगी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,
- आज का हिन्दी उपन्यास इतिहास : इंद्रनाथ मदान
- हिन्दी उपन्यास का विकास : मधुरेश, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा : रामदरश मिश्र, राजकमल, प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रेमचंदः एक साहित्य विवेचन : नंददुलारे वाजपेयी, लिपि प्रकाशन, दिल्ली
- मैला आँचल की रचना-प्रक्रिया : देवेश ठाकुर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

सहायक ग्रंथ-

- उपन्यास का सिद्धान्त : जॉर्ज लुकाच
- उपन्यास : स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव,
- उपन्यास की समकालीनता : ज्योतिष जोशी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
- उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा : परमानंद श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- यथार्थवाद : शिव कुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- आलोचना की सामाजिकता : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका : मैनेजर पाण्डेय, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़

CBCS
एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
प्रश्नपत्र : द्वितीय : हिन्दी कहानी
मूल पाठ्यक्रम
Core Course (CC)
अनिवार्य प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 75 घंटे	क्रेडिट			
HIN-CC-122	(5×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		5	0	0	5

हिन्दी कहानी

उद्देश्य : कहानी विधा के माध्यम से विद्यार्थी के जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ा है। क्योंकि कहानी की एकल समस्या को उद्घाटित हुई व्यक्ति को प्रभावित करती है। कहानी में व्यक्ति के दुःख-सुख, पीड़ा, वेदना की त्रासदी होती है, जिसको विद्यार्थी पढ़कर अपने मनोमस्तिक में संवेदनात्मक अनुभूति अनुभव करते हैं और वैसे ही समाज में संवदेनात्मक व्यवहार भी करते हैं।

इकाई–1 बंग महिला–दुलाईवाली, चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'–उसने कहा था,
किषोरी लाल गोस्वामी –इंदुमती **(15 व्याख्यान)**

इकाई–2 प्रेमचंद–कफन, जयशंकर प्रसाद–गुंडा,
जैनेन्द्र कुमार–तत्सत, अमरकान्त – डिप्टीकलक्टरी **(15 व्याख्यान)**

इकाई–3 शैलेष मटियानी–प्रेतमुक्ति, निर्मल वर्मा–परिन्दे,
कमलेष्वर–राजा निरबंसिया **(15 व्याख्यान)**

इकाई–4 हरिषंकर परसाई–इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर,
शेखर जोषी–बदबू, ज्ञानरंजन – पिता **(15 व्याख्यान)**

इकाई–5 काषीनाथ सिंह– अपना रास्ता लो बाबा
उदयप्रकाश –तिरिक्ष, मोहनदास नैमिशराय –दर्द **(15 व्याख्यान)**

आधार ग्रंथ-

- एक दुनिया समानांतर : राजेन्द्र यादव, राधाकृश्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण १९९३
- प्रतिनिधि कहानियाँ- चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, प्रेमचन्द, जयशंकर प्रसाद।
- प्रतिनिधि कहानियाँ- जैनेन्द्र कुमार, अज्ञेय, शैलेष मटियानी।
- प्रतिनिधि कहानियाँ- निर्मल वर्मा, कमलेश्वर, हरिशंकर परसाई।
- प्रतिनिधि कहानियाँ- ज्ञानरंजन, शेखर जोशी, काशीनाथ सिंह।

सहायक ग्रंथ-

- हिन्दी कहानी : एक अंतरंग पहचान : रामदरश मिश्र, नेशनल पब्लिकेशन हाउस, नई दिल्ली।
- हिन्दी कहानी का इतिहास भाग-१, २ गोपालराय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- नई कहानी : पुनर्विचार : मधुरेश
- नई कहानी : प्रकृति और पाठ : सुरेन्द्र चौधरी
- नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी
- नई कहानी की भूमिका : कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण १९६९
- कहानी : नई कहानी : नामवर सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण २००६
- प्रेमचंद : चितन और कला : सं. इंद्रनाथ मदान
- प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- प्रेमचंद का कथा-संसार : नरेन्द्र मोहन
- समकालीन कहानी की पहचान : नरेन्द्र मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

CBCS
एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी : अनिवार्य प्रश्नपत्र
प्रश्नपत्र : तृतीय : अन्य गद्य–रूप
मूल पाठ्यक्रम
Core Course (CC)

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 75 घंटे	क्रेडिट			
HIN-CC-123	(5×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		5	0	0	5

अन्य गद्य-रूप

उद्देश्य : अन्य गद्य-रूप विधा के माध्यम से विद्यार्थी के जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ा है। निबन्ध, आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रिपोतार्ज, यात्रा-वृतांत, रेखाचित्र व्यक्ति और समाज की समस्याओं को उद्घाटित करती हुई लोक का प्रभावित करती है। इसमें लेखक की अनुभूति, दुःख-सुख, पीड़ा, वेदना की त्रासदी होती है, जिसको विद्यार्थी पढ़कर अपने मनोमस्तिक में संवेदनात्मक भाव प्रकट करता है।

इकाई–1 निबन्ध :
महावीर प्रसाद द्विवेदी– कवि और कविता
रामचंद्र शुक्ल –लोकमंगल की साधनावस्था, हजारी प्रसाद द्विवेद्वी–कुटज,
विद्यानिवास मिश्र–तमाल के झरोखे से **(15 व्याख्यान)**

इकाई–2 आत्मकथा :
प्रभा खेतान–अन्या से अनन्या तक
ओमप्रकाश वाल्मीकि– त्रासदी के बीच बनते रिश्ते, (जूठन–भाग 2) **(15 व्याख्यान)**

इकाई– 3 जीवनी :
कलम का सिपाही –अमृतराय (प्रारभिक अंश) **(15 व्याख्यान)**

इकाई– 4 संस्मरण एंव रिपोतार्ज :
महादेवी वर्मा –लछमा, फणीश्वरनाथ रेणु–मानुष बने रहो,
कांति कुमार जैन बैकुण्ठपुर में बचपन
यतीन्द्र मिश्र–नौबतखाने में इबादत (आंरभिक भाग) **(15 व्याख्यान)**

इकाई–5 यात्रा वृतांत एवं रेखाचित्र :
राहुल सांकृत्यायन–मेरी तिब्बत यात्रा, काशीनाथ सिंह–दंतकथाओं में त्रिलोचन,
निर्मल वर्मा–चीड़ों पर चाँदनी, रामवृक्ष बेनीपुरी–रजिया **(15 व्याख्यान)**

आधार ग्रंथ-

- चिन्तामणि भाग-१, आचार्य रामचन्द्रशुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- कुटज, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- अपनी खबर-पांडेय बेचन शर्मा उग्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
- अन्या से अनन्या तक-प्रभा खेतान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
- जूठन भाग-२, ओमप्रकाश वाल्मीकि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- गालिब छूटी शराब-रवीन्द्र कालिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- चीड़ों पर चाँदनी-निर्मली वर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

सहायक ग्रंथ-

- हिन्दी का गद्य साहित्य-रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- निर्मल वर्मा : सं. अशोक वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
- निर्मल वर्मा और उत्तर उपनिवेशवाद : सुधीश पचौरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
- चिंतामणि (भाग १ व २) : रामचंद्र शुक्ल, इंडियन प्रेस लि., प्रयाग।

CBCS
एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
प्रश्नपत्र : चतुर्थ : भारतीय गद्य साहित्य
इलेक्टिव कोर्स (ऐच्छिक)

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 60 घंटे	क्रेडिट			
HIN-EC-121	(4×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		4	0	0	4

भारतीय गद्य साहित्य

उद्देश्य : इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी भारतीय जन जीवन की सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक गतिविधियों से अच्छी तरह से परिचित होता है, जिसमें विभिन्न भाषा के अनुदित साहित्य को पढ़कर विभिन्न प्रान्तों की समस्याओं से रू-ब-रू होते हुए संवेदनात्मक अनुभूति करता है।

इकाई–1 भारतीय साहित्य का स्वरूप एवं हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।
(12 व्याख्यान)

इकाई–2 भारतीय साहित्य के इतिहास की संकल्पना एवं समस्याएँ।
(12 व्याख्यान)

इकाई–3 **उपन्यास** – गोरा : रवीन्द्रनाथ टैगोर (बंगला)
(12 व्याख्यान)

इकाई–4 **उपन्यास** – माटी मटाल : गोपीनाथ मंहती (उड़िया)
(12 व्याख्यान)

इकाई–5 **नाटक** – हयवदन : गिरीश कार्नाड (कन्नड़)
(12 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ-

- मृत्युजंय-वीरेन्द्र कुंमार भट्टाचार्य, ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली।
- संस्कार-यू.आर. अनन्तमूर्ति, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
- सखाराम बाइन्डर- विजय तेन्दुलकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- भारतीय साहित्य का सांस्कृतिक पक्ष - रोहिताश्व

सहायक ग्रंथ-

- मराठी साहित्य : परिदृश्य- चन्द्रकांत वांदिवडेकर
- कन्नड़ साहित्य का इतिहास- श्री सुशील, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।
- मलयालम साहित्य का इतिहास- के. भास्करन नायर, प्रकाशन शाखा सूचना विभाग (यू०पी०)
- भारतीय उपन्यास साहित्य की भूमिका - आर.सी. सर्राजु
- तेलगू वाड्.मय : विविध विधाएँ- बालशौरि रेड्डी
- तमिल साहित्य : एक झाँकी - रामशेषन

CBCS
एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
प्रश्नपत्र : चतुर्थ : लोकभाषा साहित्य और संस्कृति
इलेक्टिव कोर्स (ऐच्छिक)

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 60 घंटे	क्रेडिट			
HIN-EC-122	(4×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		4	0	0	4

लोकभाषा साहित्य और संस्कृति

उद्देश्य : प्रस्तुत प्रश्नपत्र के द्वारा विद्यार्थी भारतीय समाज की लोकभाषा और लोक संस्कृति को समझता है और लूप्त होती हुई भारतीय संस्कृति लोकसंस्कृति, लोककलाएं, लोकगाथा, लोकनाट्य आदि को सहजने की चेतना जागृत होती है। इसके साथ हम भारतीय संस्कृति की धरोहर को जिन्दा रखने और उसे पुनर्जीवित करने का दृढ़ संकल्प बच्चों के अंतर्मन में उत्पन्न होती है।

इकाई–1 **लोक साहित्य परम्परा** : परिभाषा और क्षेत्र, लोकसाहित्य तथा अन्य कलाएँ, षास्त्र एवं समाज विज्ञान, लोकजीवन और लोक संस्कृति।

(12 व्याख्यान)

इकाई–2 **हिन्दी के लोक साहित्य का इतिहासः** विभिन्न जनपदीय बोलियॉ और लोक साहित्य, राजस्थानी, ब्रजभाषा, अवधी, बुन्देली, छत्तीसगढ़ी, कौरवी, भोजपुरी, कन्नौजी।

(12 व्याख्यान)

इकाई–3 **लोक साहित्य की विधायें** : लोकगीत, लोकगाथा, लोककथा, लोकनाट्य

(12 व्याख्यान)

इकाई–4 **बुन्देली साहित्य** : लोकोक्ति और मुहावरे परिभाषा, लक्षण स्वरूप एवं महत्व पहेलियों के लक्षण, परिभाषा एवं स्वरूप तथा उनमें लोकसंस्कृति का प्रतिबिम्ब।

(12 व्याख्यान)

इकाई–5 पष्चिम का लोक साहित्य : प्रारम्भ, सिद्धान्त निर्माण।
लोकसाहित्य एवं संस्कृति के महत्व का निर्माण करने, आचार एवं आदर्ष स्थापना और इतिहास, समाज एवं षिक्षा व्यवस्था, राष्ट्रीय एकता का बोध कराने के सन्दर्भ में।

(12 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ–

- भाषाविज्ञान, हिन्दी भाषा और विधि – रामकिशोर ष्शर्मा
- लोकसाहित्य और संस्कृति – दिनेश्वर प्रसाद, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- लोक संस्कृति : आयाम एवं परिप्रेक्ष्य – महावीर अग्रवाल
- भारतीय लोक साहित्य की रूपरेखा – दुर्गा भागवत (सं.)

सहायक ग्रंथ–

- लेख साहित्य : सिद्वान्त और प्रयोग – श्रीराम शर्मा
- बुन्देली लोकपरम्परा – डॉ. बलभद्र तिवारी
- आधुनिक बुन्देली काव्य – डॉ. बलभद्र तिवारी

CBCS
एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
प्रश्नपत्र : चतुर्थ : प्रेमचन्द
इलेक्टिव कोर्स (ऐच्छिक)

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 60 घंटे	क्रेडिट			
HIN-EC-123	(4×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		4	0	0	4

प्रेमचन्द

उद्देश्य : प्रस्तुत प्रश्नपत्र के माध्यम से हिन्दी उपन्यास की विकास यात्रा को समझते हुए प्रेमचन्द के निर्मला उपन्यास एवं कहानी पंचपरमेश्वर, सवाशेर गेहूँ आदि के महत्व को विद्यार्थी जान सकेंगे। प्रेमचन्द की जीवनी कलम का सिपाही के माध्यम से प्रेमचन्द के जीवन संघर्ष से प्रेरणा लेकर विद्यार्थी अपने जीवन उद्देश्य के प्रति सचेत हो सकेंगे। इसके अलावा निबन्ध, कहानी, राष्ट्रभाषा हिन्दी और उसकी समस्याएं आदि के अध्ययन से विद्यार्थियों में भाषा और राष्ट्र के महत्व को समझ सकेंगे।

इकाई–1 **निर्मला (उपन्यास)** **(12 व्याख्यान)**

इकाई–2 **कहानियाँ** –पंचपरमेश्वर, सवा सेर गेहूं, शतरंज के खिलाड़ी, सद्गति, कफन। **(12 व्याख्यान)**

इकाई–3 **कलम का सिपाही (जीवनी)**–अमृतराय **(12 व्याख्यान)**

इकाई–4 **निबन्ध**–साहित्य का उद्देष्य, जीवन में साहित्य का स्थान, कहानी कला–1, 2, 3, साहित्य में समालोचना, राष्ट्रभाषा हिन्दी और उसकी समस्याएं। **(12 व्याख्यान)**

इकाई–5 चिट्ठी पत्री– संपादक : कमल किशोर गोयनका **(12 व्याख्यान)**

आधार ग्रंथ–

- निर्मला –प्रेमचन्द, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- प्रतिनिधि कहानियां–संपादक : भीष्मसाहनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- साहित्य का उद्देश्य – प्रेमचन्द।
- चिट्ठी पत्री – संपादक : कमल किशोर गोयनका, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली।

सहायक ग्रंथ–

- प्रेमचन्द साहित्यिक विवेचन – नंददुलारे वाजपेयी।
- प्रेमचन्द और युग – रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- प्रेमचन्द एक विवेचन : इन्द्रनाथ मदान।
- प्रेमचन्द – संपादक : गंगाप्रसाद विमल

द्वितीय सेमेस्टर

CBCS
एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
प्रश्नपत्र : प्रथम : आलोचना सिद्धान्त और शास्त्र
मूल पाठ्यक्रम
Core Course (CC)
अनिवार्य प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 75 घंटे	क्रेडिट			
HIN-CC-221	(5×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		5	0	0	5

आलोचना सिद्धान्त और शास्त्र

उद्देश्य : इस प्रश्नपत्र के माध्यम से आलोचना सिद्धांत और शास्त्र का अध्ययन की पृष्ठभूमि विद्यार्थियों को बताया जायेगा। काव्य लक्षण, हेतु, प्रयोजन, काव्यगुण, रस, रस निष्पित्ति, साधारणीकरण, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति, औचित्य आदि के उद्देश्य और महत्व को विद्यार्थी जान सकेंगे। निश्चित रूप से प्रश्नपत्र के उक्त प्रयोजनों से विद्यार्थी का व्यक्तित्व व्याकरणिक ज्ञान से परिपक्व होगा।

इकाई–1 काव्य का लक्षण, हेतु, प्रयोजन, काव्यगुण। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–2 रस, रसनिष्पत्ति, काव्यास्वाद और साधारणीकरण। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–3 अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति, औचित्य। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–4 प्लेटो, अरस्तु, लोंजाइनस, वर्डस्वर्थ, कालरिज, टी.एस. इलियट, आई.ए. रिचड्र्स, जार्ज लुकाच, अंतोनियो ग्राम्षी।

इकाई–5 शास्त्रीयतावाद, स्वछंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, यथार्थवाद, संरचनावाद, विखंडनवाद। **(15 व्याख्यान)**

आधार ग्रंथ–

- भारतीय साहित्यशास्त्र : बलदेव उपाध्याय।
- भारतीय काव्यशास्त्र : संपा. उदयभानु सिंह।
- काव्य तत्व विमर्श : राममूर्ति त्रिपाठी।
- काव्याङ्.दर्पण : डॉ. विजयबहादुर अवस्थी, दिल्ली पुस्तक सदन, दिल्ली।
- रस मीमांसा : रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
- रससिद्धान्त : नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
- पाश्चात्य साहित्य-चिंतन : निर्मला जैन, राधाकृश्ण प्रकाशन, प्रा.लि., नई दिल्ली।
- संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र : डॉ. गोपीचंद नारंग
- उत्तर आधुनिकता – डॉ. करूणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

सहायक ग्रंथ–

- भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा : नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
- प्लेटो का काव्य-शास्त्र : निर्मला जैन
- अरस्तु का काव्यशास्त्र : संपा. नगेन्द्र, हिन्दी अनुसंधान परिशद, दिल्ली।
- काव्य के उदात्त तत्व (भूमिका) : नगेन्द्र, आचार्य बुक डिपो, नई दिल्ली।
- साहित्य सिद्धांत (अनूदित): रेने वेलेक, आस्टिम वारेन, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- पाश्चात्य दर्शन और साहित्यिक अन्तर्विरोध : प्लेटो से मार्क्स तक – रामविलास शर्मा

CBCS
एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
प्रश्नपत्र : द्वितीय : हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास
मूल पाठ्यक्रम
Core Course (CC)
अनिवार्य प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 75 घंटे	क्रेडिट			
HIN-CC-222	(5×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		5	0	0	5

इकाई–1 साहित्य इतिहास और सामाजिक इतिहास का संबंध, स्मृति और इतिहास, भारतीय और पाष्चात्य साहित्येतिहास दृष्टि, साहित्येतिहास की सामग्री, चयन का प्रष्न, विचारधारा, तकनीकी और साहित्यिक रूप।

(15 व्याख्यान)

इकाई–2 आरंभिक इतिहास लेखन और पद्धतियाँ, आचार्य रामचंद्र शुक्ल का इतिहास।

(15 व्याख्यान)

इकाई–3 शुक्लोत्तर इतिहास लेखन (हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा)

(15 व्याख्यान)

इकाई–4 शास्त्रीय दृष्टि, मानववादी दृष्टि, स्वच्छंदतावादी दृष्टि, मार्क्सवादी दृष्टि, नव्येतिहासवादी दृष्टि। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–5 हिन्दी भाषा का इतिहास, प्राकृत, अपभ्रंश और हिन्दी, मध्यकाल में हिन्दी का परिसर, ब्रजभाषा, खड़ी बोली, हिन्दी, उर्दू, हिन्दुस्तानी।

(15 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ-

- हिन्दी भाषा का संक्षिप्त इतिहास : भोलानाथ तिवारी, किताब महल, दिल्ली।
- भाषा (हिन्दी अनुवाद) लैनर्ड ब्लूम फील्ड
- भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी, किताब महल, नई दिल्ली।
- हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- हिन्दी साहित्य का आादिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास-परम्परा : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- परंपरा का मूल्यांकन, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सहायक ग्रंथ-

- हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. नगेन्द्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी का गद्य इतिहास : रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- हिन्दी साहित्य : बीसवीं सदी : नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

CBCS
एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
प्रश्नपत्र तृतीय : 223 : हिन्दी की आलोचना दृष्टियाँ
मूल पाठ्यक्रम
Core Course (CC)
अनिवार्य प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 75 घंटे	क्रेडिट			
HIN-CC-223	(5×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		5	0	0	5

इकाई–1 शुक्लपूर्व आलोचना : भारतेन्दु, महावीर प्रसाद द्विवेदी, मिश्र बंधु।

(15 व्याख्यान)

इकाई–2 रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, नलिन विलोचन शर्मा।

(15 व्याख्यान)

इकाई–3 नंददुलारे वाजपेयी, शिवदान सिंह चौहान, रामविलास शर्मा, नगेन्द्र, नामवर सिंह।

(15 व्याख्यान)

इकाई–4 रचनाकार आलोचक :

प्रेमचंद, निराला, प्रसाद, पंत, महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह दिनकर।

(15 व्याख्यान)

इकाई–5 अज्ञेय, मुक्तिबोध, विजयदेव नारायण साही, निर्मल वर्मा।

(15 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ-

- चिंतामणि (भाग १ व २) : रामचंद्र शुक्ल, इंडियन प्रेस, इलाहाबाद।
- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
- आस्था और सौंदर्य (भाग१ व २) : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- नयी कविता का आत्मसंघर्ष व अन्य निबन्ध : मुक्तिबोध, विश्वभारती प्रकाशन।
- एक साहित्यिक की डायरी : मुक्तिबोध, भारती ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
- कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- छायावाद : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- वाद-विवाद-संवाद : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- आलोचक के मुख से : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- कहानी : नयी कहानीः नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
- दूसरी परम्परा की खोज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सहायक ग्रंथ-

- आलोचना और आलोचना : देवीशंकर अवस्थी
- हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- आलोचना की सामाजिकता : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : शरण कुमार लिम्बाले, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- छठवाँ दशक : विजयदेव नारायण साही
- भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य : शिव कुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
- नामवर की धरती, श्रीप्रकाश शुक्ल।
- हमारे नामवर-संपादक कृष्णकुमार सिंह, महात्मा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र।

CBCS
एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
प्रश्नपत्र : चतुर्थ : नंददुलारे वाजपेयी
इलेक्टिव कोर्स (ऐच्छिक)

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 60 घंटे	क्रेडिट			
HIN-EC-221	(4×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		4	0	0	4

इकाई–1 'नया साहित्य, नये प्रष्न' नवीन यथार्थवाद, रस निष्पत्ति : एक नयी व्याख्या, समीक्षा संबंध मेरी मान्यता, छायावाद में अनुभूति और कल्पना, नये उपन्यास, नवीन कथा साहित्य : विचार पक्ष।
आधुनिक साहित्य खण्ड–7, मत और सिद्धान्त। **(12 व्याख्यान)**

इकाई–2 नयी कविता (आलोचना), प्रकीर्णिता/रीति और शैली
आचार्य शुक्ल : जीवन और व्यक्तित्व, स्वर्गीय बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', शिवपूजन सहाय : एक मृदु गंभीर व्यक्तित्व, युग पुरुष नेहरु : कुछ वैयक्तिक संस्मरण।
केरल की शारदीय परिक्रमा
('हिन्दी साहित्य का आधुनिक युग' पुस्तक में संकलित) **(12 व्याख्यान)**

इकाई–3 हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी
विज्ञप्ति, श्री महावीर प्रसाद द्विवेदी, श्रीरामचंद्र शुक्ल 1,2,3, प्रेमचंद, आत्मकथा विवाद, प्रेमचंद का उत्तर, मेरा प्रत्युत्तर, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा। **(12 व्याख्यान)**

इकाई–4 राष्ट्रीय साहित्य– साहित्य का राष्ट्रीय स्वरूप, समाज और साहित्य, नये उपन्यास और राष्ट्रीय जीवन, नये नाटक और राष्ट्रीय रंगमंच की आवश्यकता, नयी कविता और राष्ट्रीय भावभूमि, आधुनिकता बनाम भारतीयता। **(12 व्याख्यान)**

इकाई–5 महाकवि सूरदास
आलोचक का स्वदेश
(नंददुलारे वाजपेयी की जीवनी, लेखक– डॉ. विजय बहादुर सिंह)
(12 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ-

- आचार्य नंददुलारे वाजपेयी ग्रंथावली- संपादक विजय बहादुर सिंह, अनामिका प्रकाशन, नई दिल्ली।
- आलोचना का स्वदेश (जीवनी)-डॉ. विजय बहादुर सिंह, अनामिका प्रकाशन, नई दिल्ली।

सहायक ग्रंथ-

- आचार्य नंददुलारे वाजपेयी - रामआधार शर्मा, राजकमल प्रकशन, नई दिल्ली।
- आचार्य नंददुलारे वाजपेयी- प्रेमशंकर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- आचार्य नंददुलारे वाजपेयी - राममूर्ति त्रिपाठी
- हिन्दी आलोचना : बीसवीं शताब्दी - निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- प्रगतिशील हिन्दी आलोचना- हौसिला प्रसाद सिंह
- हिन्दी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी समीक्षा : उद्‌भव और विकास - रामदरश मिश्र।

सेमेस्टर –2

CBCS
एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
प्रश्नपत्र चतुर्थ : रामचंद्र शुक्ल
इलेक्टिव कोर्स (ऐच्छिक)

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 60 घंटे	क्रेडिट			
HIN-EC-222	(4×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		4	0	0	4

इकाई–1 साहित्येतिहास की अवधारणा, नामकरण और काल विभाजन।

(12 व्याख्यान)

इकाई–2 रसमीमांसा : लोकमंगल की अवधारणा,
साहित्य की साधनावस्था और सिद्धावस्था।

(12 व्याख्यान)

इकाई–3 निबंधकार रामचन्द्र शुक्ल : (चिन्तामणि) उत्साह, कविता क्या है, श्रद्धा और भक्ति एवं करूणा।

(12 व्याख्यान)

इकाई–4 व्यावहारिक आलोचना : जायसी, सूरदास, तुलसी।

(12 व्याख्यान)

इकाई–5 घनानंद और भारतेन्दु।

(12 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ–

- आचार्य रामचंद्र शुक्ल रचनावली – सं. ओमप्रकाश सिंह, हिन्दी समय, महात्मा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र।

सहायक ग्रंथ–

- आचार्य रामचंद्र शुक्ल : वैचारिक की भूमि – ओम प्रकाश सिंह
- रामचंद्र शुक्ल – सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- परंपरा का मूल्यांकन –रामाविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सेमेस्टर –2

CBCS
एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
प्रश्नपत्र चतुर्थ : हजारी प्रसाद द्विवेदी
इलेक्टिव कोर्स (ऐच्छिक)

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 60 घंटे	क्रेडिट			
HIN-EC-223	(4×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		4	0	0	4

इकाई–1 इतिहास दृष्टि : हिन्दी साहित्य का आदिकाल, मध्यकालीन बोध का स्वरूप।

(12 व्याख्यान)

इकाई–2 आलोचना दृष्टि : कबीर।

(12 व्याख्यान)

इकाई–3 उपन्यासकार : बाणभट्ट की आत्मकथा।

(12 व्याख्यान)

इकाई–4 निबन्ध : अशोक के फूल।

(12 व्याख्यान)

इकाई–5 आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की सांस्कृतिक दृष्टि।

(12 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ-

- हिन्दी साहित्य का आदिकाल-आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- मध्यकालीन धर्म साधना-आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।
- बाणभट्ट की आत्मकथा- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- अशोक के फूल - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सहायक ग्रंथ-

- हिन्दी साहित्य का इतिहास-डॉ. नगेन्द्र, मयूर पेपर बैक्स, नोएड।
- हिन्दी का ललित निबन्ध और हजारी प्रसाद द्विवेदी-विदुषी भारद्वाज।
- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी - संपादक : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी।
- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व- पी. वासव दत्ता।
- हिन्दी का गद्य साहित्य -रामचंद्र तिवारी।

CBCS
एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
ओपन इलेक्टिव कोर्स (बाहरी छात्रों के लिए)
भाषा परिचय

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 30 घंटे	क्रेडिट			
HIN-OE-221	(2×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		2	0	0	2

इकाई –1 भाषा का सामान्य परिचय, भाषा के विविध रूप एवं विशेषताएँ।

(06 व्याख्यान)

इकाई –2 हिन्दी भाषा का व्याकरणिक स्वरूप– वर्ण, शब्द–विकारी, अविकारी, संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, काल, लिंग, वचन, कारक।

(06 व्याख्यान)

इकाई –3 संधि की परिभाषा एवं विविध प्रकार एवं प्रयोग।

(06 व्याख्यान)

इकाई –4 समास की परिभाषा, एवं विविध प्रकार एवं प्रयोग।

(06 व्याख्यान)

इकाई –5 हिन्दी शब्द भण्डार– तत्सम–तद्भव, वर्ण–संकर, देशज–विदेशी शब्द तथा मुहावरे और लोकोत्तियां।

(06 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ-

- हिन्दी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरू, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- हिन्दी शब्दानुशासन - किशोरीदास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
- आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना - वासुदेव नंदन प्रसाद, भारती भवन प्रकाशन, पटना।
- व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण तथा रचना - हरदेव बाहरी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना-वासुदेवशरण अग्रवाल,

सहायक ग्रंथ-

- हिन्दी भाषा का वृहद ऐतिहासिक व्याकरण - हजारी प्रसाद द्विवेदी
- भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद।
- हिन्दी भाषा विज्ञान- डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना।

CBCS
एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
ओपन इलेक्टिव कोर्स (बाहरी छात्रों के लिए)
भाषा संरचना

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 30 घंटे	क्रेडिट			
HIN-OE-222	(2×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		2	0	0	2

इकाई –1 लेखन :

पल्लवन, संक्षेपण एवं अनुच्छेद लेखन का सामान्य परिचय और प्रयोग।

(06 व्याख्यान)

इकाई –2 पत्र लेखन : सरकारी, अर्द्धसरकारी, व्यावसायिक पत्र और निजीपत्र।

(06 व्याख्यान)

इकाई –3 ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक, प्रारूपण, अधिसूचना, विज्ञप्ति, पृष्ठांकन, आदेश।

(06 व्याख्यान)

इकाई –4 पारिभाषिक शब्दावली– निर्माण के आधार, विभिन्न विषयों से संबंधित पारिभाषिक शब्दावली।

(06 व्याख्यान)

इकाई –4 निबन्ध लेखन– समसामयिक विषयों पर संक्षिप्त निबन्ध।

(06 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ-

- व्यवहारिक पत्र लेखन कला-ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह।
- पत्रलेखन कला- आर गुप्ता, उपकार प्रकाशन, आगरा।
- हिन्दी निबन्ध पत्र लेखन अनुच्छेद लेखन-डॉ. एस. रस्तोगी।
- हिन्दी पत्र लेखन-प्रवीण कुमार।
- आदर्श पत्र लेखन-श्यामचन्द्र कपूर।

सहायक ग्रंथ-

- हिन्दी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरू, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- हिन्दी शब्दानुशासन - किशोरीदास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
- आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना - वासुदेव नंदन प्रसाद, भारती भवन प्रकाशन, पटना।
- व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण तथा रचना - हरदेव बाहरी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना- वासुदेवशरण अग्रवाल

तृतीय सेमेस्टर

सेमेस्टर –3

CBCS

एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी

प्रश्नपत्र : प्रथम : पूर्व आधुनिक आख्यानमूलक काव्य

मूल पाठ्यक्रम

Core Course (CC)

अनिवार्य प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र कोड	**कुल अध्ययन काल खण्ड : 75 घंटे**	**क्रेडिट**			
HIN-CC-321	**(5×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)**	L	T	P	C
		5	0	0	5

इकाई – 1 पृथ्वीराज रासो (चंदबरदाई)–कयमास वध।

(15 व्याख्यान)

इकाई – 2 जायसी : पद्मावत – (संपा. रामचन्द्र शुक्ल)

- नागमति वियोग खंड, नख–सिख वर्णन (सुआ संवाद)

(15 व्याख्यान)

इकाई – 3 रामचरितमानस –तुलसीदास :

- अयोध्याकांड, दोहा सं. : 51–85
- विनयपत्रिका : पद 90,91,101,105,111,129,172,174,198,237

(15 व्याख्यान)

इकाई – 4 रामचन्द्रिका, 16वां प्रकाश– केशवदास

(15 व्याख्यान)

इकाई – 5 बिहारी रत्नाकर – संपा. जगन्नाथदास रत्नाकर
दोहा संख्या :

1,20,25,25,32,38,41,42,51,55, 60,73,94,103,121,141,192,251,300,317

(15 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ–

- पृथ्वीराज रासो – चंदबरदाई।
- जायसी : पद्मावत – रामचन्द्र भुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
- रामचरितमानस – तुलसीदास, गीताप्रेस गोरखपुर।
- रामचन्द्रिका – केशवदास
- बिहारी रत्नाकर – संपा. जगन्नाथदास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

सहायक ग्रंथ–

- गोस्वामी तुलसीदास – रामचंद्र शुक्ल,
- विश्वकवि – रामप्रसाद मिश्र
- तुलसीदास – माताप्रसाद गुप्त
- केशव का आचार्यत्व – विजयपाल सिंह
- रीतिकाव्य की भूमिका – नगेन्द्र
- बिहारी – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- सामंती काव्य का परिदृश्य और बिहारी का काव्य – रामदेव शुक्ल
- आनन्दघन – रामदेव शुक्ल
- कबीर मीमांसा – रामचन्द्र तिवारी
- कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी
- कबीर ग्रंथावली – डॉ. पारसनाथ तिवारी
- जायसी – विजयदेव नारायण साही
- महाकवि सूरदास – आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
- सूरदास – रामचंद्र शुक्ल
- हिन्दी कविता में निर्गुण सम्प्रदाय – डॉ. पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल
- भक्तिकाव्य का समाज दर्शन – डॉ. प्रेमशंकर
- जायसी – सं. सदानंद साही
- सूर साहित्य – हजारी प्रसाद द्विवेद्वी
- पदमावत – वासुदेवशरण अग्रवाल

CBCS

एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी

प्रश्नपत्र द्वितीय : आधुनिक आख्यानमूलक काव्य

मूल पाठ्यक्रम

Core Course (CC)

अनिवार्य प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 75 घंटे	क्रेडिट			
HIN-CC-322	(5×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		5	0	0	5

इकाई –1 साकेत (नवम् सर्ग) – मैथिलीशरण गुप्त।

(15 व्याख्यान)

इकाई –2 उर्वषी (द्वितीय अंक)– रामधारी सिंह 'दिनकर'

(15 व्याख्यान)

इकाई –3 कामायनी (चिंता एवं श्रद्धा)–जयशंकर प्रसाद।

राम की शक्ति पूजा–सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

(15 व्याख्यान)

इकाई –4 भूल–गलती एवं अंधेरे में – मुक्तिबोध।

(15 व्याख्यान)

इकाई – 5 आत्मजयी – कँवर नारायण।

(15 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ-

- साकेत - मैथिलीशरण गुप्त, सत्य साहित्य, झांसी।
- उर्वशी - रामधारी सिंह 'दिनकर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
- कामायनी -जयशंकर प्रसाद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
- आत्मजयी - कुंवर नारायण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
- राग-विराग- सं. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
- प्रतिनिधि कविताएँ-मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

सहायक ग्रंथ-

- अतीत का हंस : प्रभाकर श्रोत्रिय
- साकेत : एक अध्ययन - डॉ. नगेन्द्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
- उर्वशी : कल्पना पत्रिका की बहस
- कामायनी : एक पुनर्विचार - मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
- कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ : डॉ. नगेन्द्र
- छायावाद : डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

सेमेस्टर –3

CBCS

एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी

प्रश्नपत्र तृतीय : 323 : प्रगीत और मुक्तक काव्य

मूल पाठ्यक्रम

Core Course (CC)

अनिवार्य प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 75 घंटे	क्रेडिट			
HIN-CC-323	(5×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		5	0	0	5

इकाई–1 प्रगीत और मुक्तक काव्य : विद्यापति – सं. आनन्दप्रकाश दीक्षित
(पद संख्या 51 से 100) **(15 व्याख्यान)**

इकाई–2 कबीर ग्रंथावली – सं. श्यामसुन्दर दास
गुरूदेव को अंग, ज्ञान को को अंग, सुमिरन को अंग,विरह को अंग।
(प्रत्येक के 1 से 10) पद : 1,2,4,7,9,10,11,12,13,16,51,64,110
सूरदास – भ्रमरगीत सार
(पद 51 से 100 पद) **(15 व्याख्यान)**

इकाई–3 जगन्नाथ दास रत्नाकार : उद्धवशतक– 1 से 10 पद।
पदमाकर : गंगा लहरी के 1 से 05, फाग वर्णन – 1से 05 पद।
भूषण : शिवा बावनी का 1 से 10 पद। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–4 भारतेंदु हरिश्चंद्र–परदे में कैद औरत की गुहार, नजीर अकबरावादी–रीछ का बच्चा, जयशंकर प्रसाद–आह! वेदना मिली विदाई, महादेवी वर्मा–जाग तुझको दूर जाना, हरिवंशराय बच्चन–इस पार उस पार। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–5 नरेश मेहता–इतिहास और प्रतिइतिहास, दुष्यंत कुमार– मेरे स्वप्न तुम्हारे पास सहारा पाने आयेंगे, रघुवीर सहाय–हंसो हंसो जल्दी हंसो, धूमिल – पटकथा, राजेश जोशी–हमारी भाषा। **(15 व्याख्यान)**

आधार ग्रंथ-

- विद्यापति पदावली - संपा. आनन्दप्रकाश दीक्षित, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- कबीर ग्रंथावली - श्यामसुन्दरदास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- भ्रमरगीतसार - संपादक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- उद्धवशतक - सं. जगन्नाथदास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- हंसो-हंसो जल्दी हंसो - रघुवीर सहाय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- संसद से सड़क तक - धूमिल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सहायक ग्रंथ-

- कबीर - हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- कबीर मीमांसा - रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- सूरदास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

सेमेस्टर –3

CBCS
एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
प्रश्नपत्र चतुर्थ : इलेक्टिव कोर्स (ऐच्छिक)
अज्ञेय

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 60 घंटे	क्रेडिट			
HIN-EC-321	**(4×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)**	L	T	P	C
		4	0	0	4

इकाई–1 **कविता :**

आज के लोकप्रिय हिन्दी कवि अज्ञेय : संपादक विद्यानिवास मिश्र।

एक सन्नाटा बुनता हूँ, बावरा अहेरी, साम्राज्ञी

का नैवेद्यदान, नया कवि : आत्मस्वीकार, हिरोषिमा, सोन मछली, औद्योगिक बस्ती,

टेसू, नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, कितनी नावों में कितनी बार।

(12 व्याख्यान)

इकाई–2 **निबन्ध :**

आत्मनेपद, नये लेखक की समस्याएँ, मैं क्यों लिखता हूँ, जो ना लिख सका,

सर्जना और संदर्भ, : कला का स्वभाव और उद्देश्य।

(12 व्याख्यान)

इकाई–3 **संस्मरण** :

स्मृतिलेख –भारतीय साहित्य परंपरा : संघर्ष का उपयोग, लेखक और परिवेश, साहित्य की भारतीय कसौटी

यात्रा वृतान्त –अरे यायावर रहेगा याद

(12 व्याख्यान)

इकाई–4 **उपन्यास**– शेखर : एक जीवनी (भाग–2)

(12 व्याख्यान)

इकाई–5 **कहानियाँ :**

अज्ञेय की सम्पूर्ण कहानियाँ (विपथगा, शरणदाता, जयदोल, नारंगियाँ)

(12 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ-

- आज के लोकप्रिय हिन्दी कवि अज्ञेय : संपादक विद्यानिवास मिश्र, राजपाल एण्ड संज, नई दिल्ली।
- आत्मनेपद-अज्ञेय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- सर्जना और संदर्भ-अज्ञेय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- स्मृतिलेख -अज्ञेय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- अरे यायावर रहेगा याद-अज्ञेय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- शेखर : एक जीवनी (भाग-१)-अज्ञेय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- अज्ञेय की सम्पूर्ण कहानियाँ -अज्ञेय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सहायक ग्रंथ-

- अज्ञेय - विश्वनाथ प्रसाद
- अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या -रामस्वरूप चतुर्वेदी
- अज्ञेय का कथा साहित्य - शैली कुमार देवी
- अज्ञेय का उपन्यास साहित्य - दुर्गाशंकर मिश्र
- अज्ञेय : कवि और काव्य - राजेन्द्र प्रसाद
- अज्ञेय का रचना संसार - संपा. गंगा प्रसादविमल

CBCS
एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
प्रश्नपत्र : चतुर्थ : इलेक्टिव कोर्स (ऐच्छिक)
मुक्तिबोध

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 60 घंटे	क्रेडिट			
HIN-EC-322	**(4×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)**	L	T	P	C
		4	0	0	4

इकाई–1 मुक्तिबोध – प्रतिनिधि कविताएँ : सं. अशोक वाजपेयी,
(ब्रह्मराक्षस, अंधेरे में, भूल गलती।)

(12 व्याख्यान)

इकाई–2 मुक्तिबोध रचनावली खण्ड–3 : सं. नेमिचंद्र जैन
कहानियाँ – काठ का सपना, ब्रह्मराक्षस का शिष्य।

(12 व्याख्यान)

इकाई–3 उपन्यास : विपात्र– मुक्तिबोध।

(12 व्याख्यान)

इकाई–4 मुक्तिबोध रचनावली खण्ड–5 (सं. नेमिचंद्र जैन) आलोचना : आधुनिक साहित्य और नवयुग की समस्याएँ, साहित्य के दृष्टिकोण, मार्क्सवादी साहित्य का सौन्दर्य पक्ष।

(12 व्याख्यान)

इकाई–5 नयी कविता एवं मेरी रचना प्रक्रिया, मध्ययुगीन भक्ति आंदोलन का पहलू, नयी कविता की प्रकृति, नयी कविता का आत्मसंघर्ष, मेरी माँ ने मुझे प्रेमचंद का भक्त बनाया।

(12 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ-

- मुक्तिबोध - प्रतिनिधि कविताएँ : संपादक अशोक वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- मुक्तिबोध रचनावली (भाग १ से ६) - संपादक नेमिचन्द्र जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सहायक ग्रंथ-

- मुक्तिबोध - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- मुक्तिबोध : प्रतिबद्धकला के प्रतीक - चंचल चौहान
- मुक्तिबोध काव्य की रचना प्रक्रिया - अशोक चक्रधर
- प्रतिबद्धता और मुक्तिबोध - प्रभात त्रिपाठी
- मुक्तिबोध का काव्य चिंतन का काव्य - चंद्रकांत देवताले
- मुक्तिबोध ज्ञान ओर संवेदना - नंदकिशोर नवल

CBCS
एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
प्रश्नपत्र : चतुर्थ : इलेक्टिव कोर्स (ऐच्छिक)
निराला

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 60 घंटे	क्रेडिट			
HIN-EC-323	**(4×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)**	L	T	P	C
		4	0	0	4

इकाई–1 रागविराग : संपादक रामविलास शर्मा–

वर दे वीणा वादिनी वर दे, सखि वसन्त आया, संध्या सुन्दरी, राम की शक्तिपूजा।

(12 व्याख्यान)

इकाई–2 कुकुरमूत्ता, तोड़ती पत्थर, सरोज स्मृति, स्नेह निर्झर बह गया है।

(12 व्याख्यान)

इकाई–3 निराला रचनावली खण्ड–चार : संपादक–नंदकिशोर नवल।

कहानी – पद्मा और लिली, ज्योर्तिमयी, श्यामा, चतुरी चमार और शुकुल की बीबी।

(12 व्याख्यान)

इकाई–4 कुल्लीभाट (रेखाचित्र)।

(12 व्याख्यान)

इकाई–5 निराला की साहित्य साधना भाग–एक (जीवनी)।

(12 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ-

- रागविराग : संपादक रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- निराला रचनावली खण्ड-चार : संपादक-नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- कुल्लीभाट (रेखाचित्र), निराला, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- निराला की साहित्य साधना भाग-एक (जीवनी), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सहायक ग्रंथ-

- महाप्राण निराला : समग्र मूल्यांकन - वीरेन्द्र सिंह।
- निराल की तीन लम्बी कविताएं - राजेन्द्र कुमार
- निराला - इन्द्रनाथ मदान।
- निराला : आत्महन्ता आस्था - दुधनाथ सिंह
- निराला की सामाजिक चेतना - सुरेश आचार्य।

CBCS
एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
ओपन इलेक्टिव कोर्स (बाहरी छात्रों के लिए)
हिन्दी साहित्य के विविध विमर्श

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 30 घंटे	क्रेडिट			
HIN-OE-321	**(2×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)**	L	T	P	C
		2	0	0	2

इकाई –1 अस्मितावादी विमर्श : अर्थ स्वरूप और उपयोगिता।

- अस्मितावादी विमर्श का अवधारणा।
- अस्मितावादी विमर्श का विविध स्वरूप।
- अस्मितावादी विमर्श की उपयोगिता एवं विशेषताएं। **(06 व्याख्यान)**

इकाई –2 दलित विमर्श : अर्थ, स्वरूप और परिचय।

- दलित विमर्श की अवधारणा।
- दलित विमर्श का स्वरूप।
- दलित विमर्श केन्द्रित प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएं। **(06 व्याख्यान)**

इकाई –3 स्त्री विमर्ष : अर्थ, स्वरूप और परिचय।

- स्त्री विमर्श की अवधारणा।
- स्त्री विमर्श का स्वरूप।
- स्त्री विमर्श केन्द्रित प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएं। **(06 व्याख्यान)**

इकाई –4 आदिवासी विमर्ष : अर्थ, स्वरूप और परिचय।

- आदिवासी विमर्श की अवधारणा।
- आदिवासी विमर्श का स्वरूप।
- आदिवासी विमर्श केन्द्रित प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएं। **(06 व्याख्यान)**

इकाई –5 अन्य साहित्यिक विमर्श :

(अल्पसंख्यक, जेण्डर व अन्य) : अर्थ, स्वरूप और परिचय।

(06 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ-

- आदमी के निगाह में औरत- राजेन्द्र यादव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- उपनिवेश में स्त्री- प्रभा खेतान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- स्त्री विमर्श का लोकपक्ष- अनामिका, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- परिधि पर स्त्री- मृणाल पाण्डेय, राधा प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण १९९८
- औरत के लिए औरत- नासिरा शर्मा, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।
- स्त्री मुक्ति संघर्ष और इतिहास- रमणिका गुप्ता, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।
- औरत होने की सजा - अरविन्द जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मीकि
- हिन्दी दलित साहित्य - मोहनदास नैमिशराय
- आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श - देवेन्द्र चौबे
- आदिवासी दुनिया - हरीराम मीणा
- आदिवासी साहित्य और दर्शन - वंदना टेटे
- आदिवासी साहित्य - गंगासहाय मीणा

सहायक ग्रंथ-

- स्त्री उपेक्षिता (The Second Sex) : सिमोन द बाउवार (अनु. प्रभा खेतान)
- स्त्री पराधीनता : जॉन. स्टुअर्ट मिल (अनु. प्रगति सक्सेना)
- परिवार, निजी संपत्ति और राज्य की उत्पत्ति : फ्रे. एंगल्स

CBCS
एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
ओपन इलेक्टिव कोर्स (बाहरी छात्रों के लिए)
हिन्दी विमर्शवादी लेखन

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 30 घंटे	क्रेडिट			
HIN-OE-322	(2×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		2	0	0	2

इकाई –1 **दलित कविता :**
अछूत की शिकायत– हीरा डोम,
यह दलितों की बस्ती है– सूरजपाल,
प्रमुख दलित कवि और रचनाएँ। **(06 व्याख्यान)**

इकाई –2 **दलित कहानी :**
सलाम– ओमप्रकाश बाल्मीकि,
जब नशा फटता है–संजीव,
प्रमुख दलित कहानीकार और रचनाएँ। **(06 व्याख्यान)**

इकाई –3 **स्त्री कविता :**
हॉकी खेलती लड़कियाँ– कात्यायनी,
स्त्रियां– अनामिका,
प्रमुख कवयित्रियाँ और रचनाएँ। **(06 व्याख्यान)**

इकाई –4 **आदिवासी साहित्य :**
खरगोशों का कष्ट–रामदयाल मुंडा।
अपनी जमीन तलाशती बेचैन स्त्री–निर्मला पुतुल **(06 व्याख्यान)**

इकाई –5 अन्य विमर्शवादी रचनाएँ :
बिन्दा महराज–षिवप्रसाद सिंह (जेण्डर कहानी)
दोहरा अभिषाप – कौशल्या वैसंत्री (प्रमुख अंष) **(06 व्याख्यान)**

आधार ग्रंथ-

- अछूत की शिकायत-हीरा डोम
- यह दलितों की बस्ती है- सूरजपाल
- सलाम- ओमप्रकाश बाल्मीकि, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- जब नशा फटता है-संजीव
- हॉकी खेलती लड़कियाँ- कात्यायनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- स्त्रियाँ- अनामिका
- स्त्री विमर्श का लोकपक्ष- अनामिका, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- परिधि पर स्त्री- मृणाल पाण्डेय, राधा प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण १९९८
- औरत के लिए औरत- नासिरा शर्मा, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।
- अपनी जमीन तलाशती बेचैन स्त्री-निर्मला पुतुल

सहायक ग्रंथ-

- किन्नर विशेषांक वांड़मय भाग- १, २, ३ (२०१७)
- आदिवासी विशेषांक वांड़मय भाग-१, २, ३ (२०१५)
- दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मीकि
- आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श - देवेन्द्र चौबे
- स्त्री पराधीनता : जॉन. स्टुअर्ट मिल (अनु. प्रगति सक्सेना)

चतुर्थ
सेमेस्टर

CBCS
एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
प्रश्नपत्र : प्रथम : नाटक
मूल पाठ्यक्रम
Core Course (CC)
अनिवार्य प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 75 घंटे	क्रेडिट			
HIN-CC-421	(5×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		5	0	0	5

इकाई–1 भारतेन्दु हरिश्चन्द्र–'भारत दुर्दशा', जयशंकर प्रसाद– 'ध्रुवस्वामिनी'।

(15 व्याख्यान)

इकाई–2 आगाहश्र कश्मीरी– 'यहूदी की लड़की', जगदीशचंद्र माथुर–'कोणार्क'।

(15 व्याख्यान)

इकाई–3 मोहन राकेश–'लहरों के राजहंस', धर्मवीर भारती–'अंधायुग'।

(15 व्याख्यान)

इकाई–4 भीष्म साहनी–'हानूष',

सुरेन्द्र वर्मा–'सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक'।

(15 व्याख्यान)

इकाई–5 नंदकिशोर आचार्य–'हस्तिनापुर',

असगर वजाहत–'गांधी @गोडसे डॉट काम।

(15 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ-

- भारत दुर्दशा-भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- ध्रुवस्वामिनी-जयशंकरप्रसाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- यहूदी की लड़की-आगाहश्र कश्मीरी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- कोणार्क- जगदीशचंद्र माथुर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- लहरों के राजहंस-मोहन राकेश, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- अंधायुग-धर्मवीर भारती, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हानूश-भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक-सुरेन्द्र वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हस्तिनापुर-नंदकिशोर आचार्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- गांधी @ गोडसे डाट कॉम।-असगर वजाहत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- मोहन राकेश के सम्पूर्ण नाटक : नेमिचंद जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सहायक ग्रंथ-

- हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास : दशरथ ओझा
- आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच : नेमिचंद जैन
- भारतेन्द्रु हरिश्चंद्र : रामविलास शर्मा
- जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता : प्रभाकर श्रोत्रिय
- मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी
- मोहन राकेश : साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि : मोहन राकेश

CBCS
एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
प्रश्नपत्र : द्वितीय : भाषाविज्ञान और हिन्दी भाषा
मूल पाठ्यक्रम
Core Course (CC)
अनिवार्य प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 75 घंटे	क्रेडिट			
HIN-CC-422	(5×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		5	0	0	5

इकाई–1 **भाषा** : अर्थ, परिभाषा और विशेषताएं, भाषा की परिवर्तनषीलता व उसके कारण, भाषा की उत्पत्ति संबंधी सिद्धांत।
भाषाविज्ञान : स्वरूप एवं व्याप्ति (नामकरण, परिभाषा एवं क्षेत्र), भाषाविज्ञान की शाखाएँ– वर्णनात्मक, ऐतिहासिक एवं तुलनात्मक, भाषाविज्ञान के अंग, भाषाविज्ञान और अन्य शास्त्र (व्याकरण, साहित्य, मनोविज्ञान, शरीरविज्ञान, मानवविज्ञान, भौतिकी, इतिहास, भूगोल, समाजविज्ञान एवं दर्शन) **(15 व्याख्यान)**

इकाई–2 **ध्वनि विज्ञान** : स्वरूप और शाखाएँ, वाक् यंत्र (अवयव) और उसके कार्य, ध्वनि की अवधारणा और उसका वर्गीकरण (स्थान, प्रयत्न, कारण), ध्वनियों के भेद।
ध्वनि परिवर्तन : कारण एवं दिशाएँ, **पद विज्ञान** : पद और शब्द का भेद, पद रचना की पद्धतियाँ, पद विभाग, व्याकरणिक कोटियाँ। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–3 **वाक्य विज्ञान** : वाक्य विज्ञान की परिभाषा, पद और वाक्य (अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद) वाक्य के अनिवार्य तत्व (आकांक्षा, योग्यता, आसक्ति), वाक्य और पदक्रम, वाक्य में पद–विन्यास के आवश्यक गुण (चयन, क्रम, आपरिवर्तन), वाक्य के निकटतम अवयव (उद्देष्य और विधेय) **(15 व्याख्यान)**

इकाई–4 **भारतीय आर्यभाषाएँ**– काल विभाजन, प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ : वैदिक और लौकिक संस्कृत और इनकी विषेषताएँ : मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ : पालि, प्राकृत (शौरसेनी, महाराष्ट्रीय, मागधी, अर्धमागधी, पैषाची), अपभ्रंश और उनकी विषेषताएँ, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ : वर्गीकरण और उनकी विषेषताएँ।
(15 व्याख्यान)

इकाई–5 हिन्दी भाषा के विविध रूप–सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति। लिपि का इतिहास : लिपि का प्रारंभ, विकास के चरण : भारतीय लिपियाँ,–खरोष्ठी एवं ब्राह्मी लिपि, ब्राह्मी से विकसित भारतीय लिपियाँ, देवनागरी लिपि एवं मानकीकरण। **(15 व्याख्यान)**

आधार ग्रंथ-

- भाषा विज्ञान की भूमिका-देवेन्द्र नाथ शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी भाषा का इतिहास-धीरेन्द्र वर्मा, ज्ञानमण्डल, वाराणसी।
- हिन्दी भाषा का संक्षिप्त इतिहास-भोलानाथ तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी : उद्‌भव, विकास और स्वरूप - हरदेव बाहरी
- हिन्दी व्याकरण - कामताप्रसाद गुरू
- भाषाशास्त्र की रूपरेखा - उदयनारायण तिवारी
- भाषाविज्ञान-भोलानाथ तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- भाषा और समाज-रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिन्दी - रामविलास शर्मा
- हिन्दी भाषा : उद्‌भव और विकास - उदयनारायण तिवारी

सहायक ग्रंथ-

- हिन्दी : उद्‌भव, विकास और स्वरूप - हरदेव बाहरी
- हिन्दी व्याकरण - कामताप्रसाद गुरू
- भाषाशास्त्र की रूपरेखा - उदयनारायण तिवारी
- भाषा और समाज - रामविलास शर्मा
- भाषाशास्त्र की रूपरेखा - उदयनारायण तिवारी
- भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिन्दी - रामविलास शर्मा
- हिन्दी भाषा : उद्‌भव और विकास - उदयनारायण तिवारी

सेमेस्टर –4

CBCS

एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी

प्रश्नपत्र : तृतीय : मध्यकालीन हिन्दी साहित्य की अवधारणा

मूल पाठ्यक्रम

Core Course (CC)

अनिवार्य प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 75 घंटे	क्रेडिट			
HIN-CC-423	(5×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		5	0	0	5

इकाई–1 हिंदी साहित्य के मध्यकाल के संदर्भ में रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी और रामविलास शर्मा का चिंतन, (मध्यकालीन सौंदर्यदृष्टि, स्थापत्य, चित्र, संगीत, कला) 'लोक' की अवधारणा, सामाजिक सांस्कृतिक परिवर्तन की अवधारणा, भक्ति आंदोलन, रचनाकारों का महत्व। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–2 मध्यकालीन काव्य–भाषाओं का साहित्यिक वैशिष्ट्य (ब्रज, अवधी, राजस्थानी, सधुक्कड़ी, मैथिली के संदर्भ में), काव्य रूप (प्रबंध, मुक्तक, प्रगीत), मध्यकालीन साहित्य की प्रामाणिकता का सवाल, कथानक रूढ़ियाँ और कवि–प्रसिद्धियाँ। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–3 दरबार, लोक और संप्रदाय, साहित्य की दरबारी और लोकनिष्ठ धारा, मध्यकालीन साहित्य के शास्त्रीय चिंतन का स्वरूप। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–4 मध्यकालीन सौंदर्य–दृष्टि, स्थापत्य, चित्रकला, संगीत से साहित्य का संबंध। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–5 भक्ति आंदोलन : उत्तर और दक्षिण, हिंदू–मुस्लिम, स्त्री–पुरुष, जाति और वर्ण, उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत की प्रचलित बंदिशें और ब्रजभाषा। **(15 व्याख्यान)**

आधार ग्रंथ-

- मध्यकालीन बोध और साहित्य- हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी साहित्य का अतीत- विश्वनाथ मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास- रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- डॉ. रामकुमार वर्मा।
- हिन्दी साहित्य का आदिकाल- डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी साहित्य का उद्‌भव और विकास- डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास- डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी।

सहायक ग्रंथ-

- भक्ति का समाजदर्शन- डॉ. प्रेमशंकर।
- उत्तर भारत की संत परम्परा- परशुराम चतुर्वेदी।
- हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ. रामकुमार वर्मा।

CBCS
एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
प्रश्नपत्र चतुर्थ : भारतीय भाषाओं का रंगमंच
इलेक्टिव कोर्स (ऐच्छिक)

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 60 घंटे	क्रेडिट			
HIN-EC-421	**(4×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)**	L	T	P	C
		4	0	0	4

इकाई – 1 लोक–रंग–रूप और आधुनिक रंगमंच का संबंध।

(12 व्याख्यान)

इकाई – 2 पाश्चात्य रंगमंच और भारतीय रंगमंच का संबंध,
भारतीय रंगमंच की अवधारणा।

(12 व्याख्यान)

इकाई – 3 अंधेर नगरी ; भारतेंदु हरिश्चंद्र,
चंद्रगुप्त : जयशंकर प्रसाद।

(12 व्याख्यान)

इकाई – 4 इन्द्रजित : बादल सरकार
तुगलक : गिरीश कर्नाड।

(12 व्याख्यान)

इकाई – 5 जिस लाहौर नहीं देख्या : असगर वजाहत,
खामोश! अदालत जारी है : विजय तेंदुलकर।

(12 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ-

- अंधेर नगरी : भारतेंदु हरिश्चंद्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- चंद्रगुप्त : जयशंकर प्रसाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- इन्द्रजित : बादल सरकार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- तुगलक,ययाति : गिरीश कर्नाड, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- जिस लाहौर नहीं देख्या : असगर वजाहत, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- खामोश! अदालत जारी है : विजय तेंदुलकर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सहायक ग्रंथ-

- भारतीय रंगकोश-सं. प्रतिभा अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- रंगयात्रा : राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा प्रकाशित, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली।
- रंग प्रसंग पत्रिका : राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा नियमित प्रकाशन।
- आज के रंग नाटक : इब्राहिम अल्काज़ी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- भारतीय तथा पाश्चात्य रंगमंच : सीताराम चतुर्वेदी
- नई रंग चेतना और हिंदी नाटककार : जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, पटना।
- नाट्यशास्त्र विश्वकोश : राधाबल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारती बुक, कार्पोरेशन।

CBCS
एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
प्रश्नपत्र चतुर्थ : अस्मितावादी विमर्श
इलेक्टिव कोर्स (ऐच्छिक)

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 60 घंटे	क्रेडिट			
HIN-EC-422	(4×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		4	0	0	4

इकाई – 1 विमर्श : अर्थ और स्वरूप, नये विमर्श और हासिए का समाज। अस्मितावादी विमर्शों का अभिप्राय।

(12 व्याख्यान)

इकाई – 2 स्त्री विमर्शः अर्थ, अवधारणा और सैद्धान्तिकी, पाश्चात्य एवं भारतीय दृष्टि। अनामिका, कात्यायनी, मैत्रेयी पुष्पा, प्रभा खेतान का साहित्य।

(12 व्याख्यान)

इकाई – 3 दलित विमर्ष : अर्थ, अवधारणा, महत्त्व तथा सैद्धान्तिकी। हीरा डोम, अछूतानंद की कविताएँ।

(12 व्याख्यान)

इकाई – 4 ओमप्रकाश वाल्मीकि, तुलसीराम, मोहनदास नेमिषराय, सुशीला टाकभौरे का कथा साहित्य।

(12 व्याख्यान)

इकाई – 5 आदिवासी विमर्श : अर्थ, अवधारणा और सैद्धान्तिकी। रामदयाल मुण्डा, श्रीप्रकाश मिश्र, निर्मला पुतुल, हरीराम मीणा का साहित्य।

(12 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ-

- स्त्री उपेक्षिता-प्रभा खेतान, सरस्वती विहार, नई दिल्ली।
- आदमी की निगाह में औरत-राजेन्द्र यादव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- स्त्री : लम्बा सफर-मृणाल पाण्डे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- दलित विमर्श और हिन्दी दलित काव्य-कालीचरण 'स्नेही', न्यू रायल बुक कम्पनी।
- दलित साहित्य के प्रतिमान-डॉ. एन. सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- दलित साहित्य का सौन्दर्य-ओम प्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी आदिवासी कविता-हरिराम मीणा, नेहा पब्लिकेशन एण्ड डिस्ट्रिब्यूटर।

सहायक ग्रंथ-

- दलित साहित्य का स्त्रीवादी स्वर-विमल थोराट, डी०के० एजेन्सी प्रा० लि०।
- आदिवासी कौन- रमणिका गुप्ता।

सेमेस्टर –4

CBCS
एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
प्रश्नपत्र चतुर्थ : कबीर
इलेक्टिव कोर्स (ऐच्छिक)

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 60 घंटे	क्रेडिट			
HIN-EC-423	(4×15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		4	0	0	4

इकाई – 1 कबीर ग्रंथावली– माताप्रसाद गुप्त
साखी–गुरुदेव को अंग 1, 2, 4, 15, 22
सुमिरन को अंग 4, 5, 6, 10, 25
विरह को अंग 1, 7, 10, 12, 18

(12 व्याख्यान)

इकाई – 2 कबीर के पद–1, 2, 39, 40, 43, 57, 110, 148

(12 व्याख्यान)

इकाई – 3 कबीर के आलोचक–श्यामसुन्दर दास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, धर्मवीर, पुरूषोत्तम अग्रवाल।

(12 व्याख्यान)

इकाई – 4 कबीर की भक्ति भावना, रहस्यवाद, सामाजिक चेतना, काव्य भाषा–उलटबांसी।

(12 व्याख्यान)

इकाई – 5 कबीर का युग और इतिहास में उनकी उपस्थिति।

(12 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ-

- कबीर ग्रंथावली-माताप्रसाद गुप्त।
- कबीर - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।

सहायक ग्रंथ-

- कबीर मीमांसा - रामचन्द्र तिवारी।
- कबीर : संपादक विजयेन्द्र स्नातक।
- संत कबीर : रामकुमार वर्मा।
- अकथ कहानी प्रेम की - पुरूषोत्तम अग्रवाल।

CBCS
एम.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी
ओपन इलेक्टिव कोर्स (बाहरी छात्रों के लिए)
प्रणामी साहित्य

प्रश्नपत्र कोड	कुल अध्ययन काल खण्ड : 30 घंटे	02 – क्रेडिट			
HIN-OE-322	(2श्15 सप्ताह प्रति सेमेस्टर)	L	T	P	C
		2	0	0	2

इकाई –1 प्रणामी सम्प्रदाय : संक्षिप्त परिचय व स्वरूप।

- उत्पत्ति और विकास
- प्रमुख मान्यताएं एवं प्रतीक

(06 व्याख्यान)

इकाई –2 प्रणामी सम्प्रदाय : एतिहासिक सामाजिक सांस्कृतिक भूमिका।

- प्रणामी सम्प्रदाय के प्रमुख आचार्य
- महराज छत्रसाल की राज्य व्यवस्था और महामति प्राणनाथ

(06 व्याख्यान)

इकाई –3 महामति प्राणनाथ : जीवन एवं वाणी परिचय।

- महामति प्राणनाथ जन्म एवं जीवन
- महामति प्राणनाथ की प्रमुख रचनाएं

(06 व्याख्यान)

इकाई –4 रचना, पाठ और व्याख्या।

- श्रीप्रकाश प्रारम्भ (महामति प्राणनाथ) : प्रथम पाँच चौपाई।
- श्रीकलश (महामति प्राणनाथ) : प्रथम 10 चौपाई।

(06 व्याख्यान)

इकाई –5 महराज छत्रसाल : प्रणामी सम्प्रदाय – भक्ति एवं दृष्टि।

- महराज छत्रसाल की रचना दृष्टि एवं प्रणामी सम्प्रदाय
- महराज छत्रसाल : प्रणामी सम्प्रदाय के प्रमुख पद।

(06 व्याख्यान)

संदर्भ ग्रंथ-

- श्री तारतम सागर - महामति प्राणनाथ ।
- श्री कलश - महामति प्राणनाथ ।
- श्री प्रकाश - महामति प्राणनाथ ।
- महामति प्राणनाथ - डॉ. कमला शर्मा ।